



KAHAN KAHANI KAHAN

shatranj ke khiladi

bade bhai sahab

Date: 23rd June, 2017 @ 6.30 PM

Venue: Bharat Muni Rangshala,
Multi Art Cultural Centre, Kurukshetra



PRESENTED BY
RAS KALA
MANCH
SAFIDON

PRESENTATION



RAS KALA MANCH

Ward No: 9, Near Jaycee Bhawan, Samrat Colony,
Safidon 126112 (Haryana) INDIA
Mobile No. 92155-12300
E-mail: rasravimohan@gmail.com
raskalamanch@gmail.com
web: www.raskalamanch.in



Based on stories of Munshi Prem Chand, Directed by: Ravi Mohan

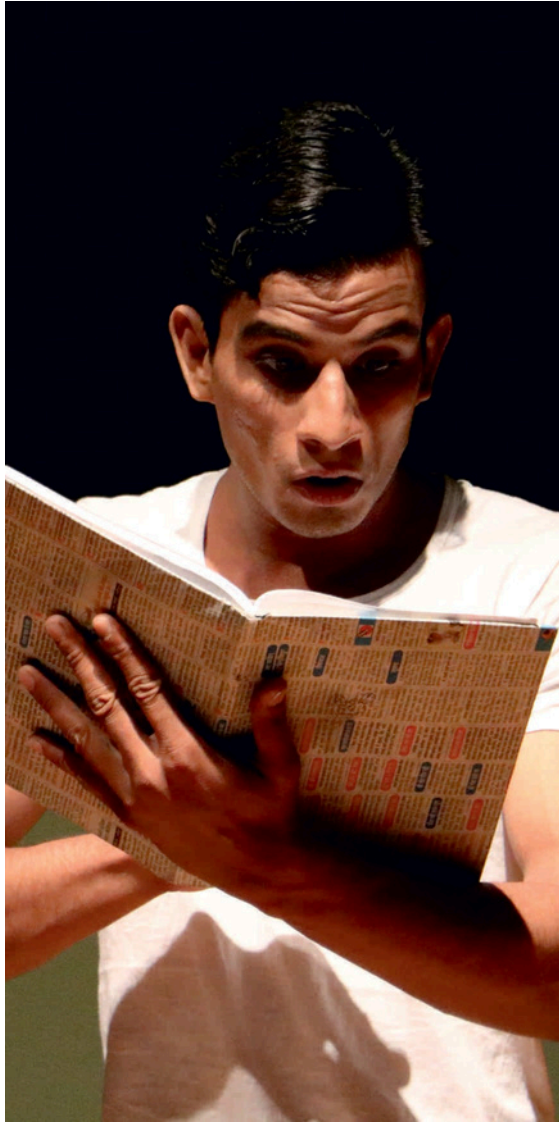


ABOUT THE GROUP

'Ras Kala Manch' was founded by an art lover and a social activist Sh. Ras Bihari Ji at a very small city Safidon in Distt Jind of Haryana.

It is flourished by the hard work and efforts of young and dynamic theatre artist Ravi Mohon and Manish Joshi till 2015. In 2015 Manish Joshi left the group and Ravi Mohan proceeded with the group on his own. This theatre group is working well with great enthusiasm and dedication across the country for the last twelve years. Ravi Mohan is a dynamic self-trained theatre artist following the traditional theatre as well as updating his group and team with new trends of performing arts. The group has participated in various national theatre festivals and successfully presented the plays– Naagmandal, Doosra Aadmi-Doosri Aurat, Mai Kahani Hoon, Chandu Bhai Natak Karte Hain, Hum To Aise Hi Hai, Lakhmigatha, Parsai ki Chaupal and 'Shiv Vivah' and many more. 'Ras Kala Manch' also promotes Haryanvi cultural style through theatre in its events. The group has also played number of times in association with famous organizations like N.Z.C.C. Patiala, W.Z.C.C Udaipur, N.C.Z.C.C Allahabad, Information, Public Relation Department and Culture Affairs. Chandigarh, Haryana Kala Parishad and Multi Art Culture centre, Kurukshetra and many more.

'Ras Kala Manch' also organizes National Theatre Festival (7 Days) 'Chalo Theatre' every year. In this festival group invites plays from famous national theatre groups and plays directed by young and senior theatre artists are invited. Every year group honours seven theatre artists from different parts of INDIA with the award “Rang Samman” to encourage them & to promote theatre art.



ABOUT THE DIRECTOR

Ravi Mohan is a renowned actor, director and trainer associated with Media and Theatre from last two decades and is still active. He started his theatre group 'RAS KALA MANCH' along with his father Shri Ras Bihari Ji in small city Safidon, Haryana in 2002 and established himself as a director across the nation. His theatrical journey of creative work includes direction in more than 35 plays and conferred with 'Best Director Award' in 2006 at Pune for 'Naagmandal' and also received 'Best Director Award' in 2011 at Amritsar for 'Ghasi Ram Kotwal' and have done lead roles in more than 15 plays. He also acted in a T.V. serial named 'Crime Petrol' on Sony Channel and 'Aur Ek Kahani' (Bahroop) on DD National Channel. He also acted in serial 'Mahara Haryana Mahari Baat' and 'Sabrang' which were telecasted on DD Hissar Channel. He always gives credits to Smt. Dolly Ahluwalia Tiwari and Sh. Kamal Tiwari ji under whose guidance he had taken training of theatre. With their help it become possible for him to attend theatre workshops organized by Sangeet Natak Akadamy, Delhi, National School of Drama, Delhi under senior theatre artists.

Play: - Kahan Kahani Kahan

On Stage (Shatranj Ke Khiladi)

✍️Ashish Saini
✍️Chand Bhardwaj
✍️Kiran Dutt
✍️Sombir Parjapat
✍️Deepansh Sharma
✍️Raheesh
✍️Sakshi Bhardwaj
(Bade Bhai Sahab)
✍️Ankit Chaudhary
✍️Gaurav Saxen

Nawab Mirza
Nawab Meer Roshan Ali Begum
Hariya (Servant), Chorus
Ashfaaq (Servant), Chorus
Soldier, Chorus
Dancer/ Meer Ki Begum

Bada Bhai
Chota Bhai

Off Stage

✍️Set Execution

✍️Set Design
✍️Light Operation
✍️Music Operation
✍️Costume Design
✍️Make-up
✍️Brochure & Poster
✍️Cinematography
✍️Video Production
✍️Stage Manager
✍️Assistant Director
✍️Director

Mohit Saini, Dheeraj Sharma, Krishna Dalal,
Shubham Papneja, Abhishek Gautam
Rahul Sharma
Pawan Bhardwaj
Pardeep Bhatia
Ruchi Bhardwaj
Rajan Sheela
Sandeep Gautam, Chand Bhardwaj
Ashish (R.K.)
Amit Saini
Jyoti Bala
Jyoti Bala
Ravi Mohan

CAST CREDITS



रास कला मंच, सफीदों
प्रस्तुत करता है

दूसरा आदमी दूसरी औरत

निर्देशन : रवि मोहन, नाट्य लेखन : विभा रानी

दिनांक:
08 अगस्त, 2017

समय : साय: 6:30 बजे

स्थान:
भरत मुनि रंगशाला
मल्टी आर्ट कल्चर सेंटर
कुरुक्षेत्र



नाटक के बारे में

यह अतिरिक्त वैवाहिक संबंध पर आधारित दो पात्रिय नाटक है, स्त्री पुरुष जोकि एक दफ्तर मे साथ में काम करते हैं। भावनात्मक सहारे की कमी और अकेलापन दोनों पात्रो को जोड़ता है। नाटक शारीरिक संबंध और सैक्स के प्रति समाज की सोच को दर्शाता है। देह को मन की तुलना में इतना ऊपर कर दिया गया है कि मन की शुचिता के बदले हम केवल तन की शुद्धता पर केन्द्रित हो गए हैं। शरीर हमारे मन के भावों के साथ-साथ प्रेम की भी अभिव्यक्ति का माध्यम है लेकिन इसका मतलब यह नहीं की देह इतनी महत्वपूर्ण हो जाए कि मन और समाज दोनों हमसे छूटने लगे। नाटक संबंधो के अंतर्संघर्ष को दर्शाता है। यह नाटक कुछ समय बाद रिश्तों में अपेक्षाओं के अपूर्ण रहने पर बोझिल होने के पश्चात् रिश्तों को खत्म करने या फिर रिश्ते को नया रुख देने का प्यारा संदेश दे जाता है।



रवि मोहन

निर्देशक के बारे में

अभिनेता, निर्देशक, प्रशिक्षक और मार्गदर्शक रवि मोहन रंगमंच और मीडिया के साथ पिछले लगभग 20 वर्षों से जुड़े है। 2002 मे इन्होंने अपने पिता श्री रास बिहारी जी के साथ अपना सांस्कृतिक दल 'रास कला मंच', सफीदों के नाम से आरंभ किया और युवा निर्देशक के रूप में पूरे देश भर में अपनी पहचान बनाई । रवि मोहन “रास” ने अभी तक 35 नाटको का निर्देशन और 15 नाटको में मुख्य अभिनेता के तौर पर अभिनय किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से इतिहास विषय मे लघु शोध करने के बावजूद इनका रंगमंच में व्यवसायिक रूप से आने का पूरा श्रेय श्रीमति डॉली अहलुवालिया तिवारी व श्री कमल तिवारी जी को देते है और ये अपने आपको उनका ऋणी मानते है। जिनकी वजह से इन्होने अपनी रंग-शिक्षा संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली व राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली के द्वारा आयोजित नाट्य कार्यशालाओं मे प्राप्त की व वरिष्ठ रंग-शिक्षको से रंगमंच की बारीकियों को सीखने का मौका मिला। इन्होंने भारत देश मे आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य समारोह मे कई नाटको की प्रस्तुतियां दी है। इन्हे अपने नाटको के लिए कई रंग पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए हैं।



नाट्य दल के बारे में

‘रास कला मंच’ की स्थापना कला प्रेमी व समाज सेवी श्री रास बिहारी ने हरियाणा मे स्थित जीन्द जिले के एक छोटे से कस्बे सफीदों मे की। यह नाट्य संस्था नौजवान और प्रखर रंगकर्मी श्री रवि मोहन और श्री मनीष जोशी की मेहनत व चेष्टाओं से आगे बढ़ी। ये नाट्य संस्था हरियाणा व देशभर मे पिछले 12 वर्षों से रंगकर्म के दायित्व का कलात्मक और धीरतापूर्वक संवहन कर रही है। सन 2015 में मनीष जोशी 'रास कला मंच' से अलग हुए और अपनी अलग नाट्य संस्था बनाई। इसके पश्चात श्री रवि मोहन ने स्वयं रास कला मंच का कार्यभार पूर्णरूप से संभाला। इसके बाद नाट्य दल ने कई नाट्य महोत्सवों में सफल भागीदारी निभाई है। संस्था द्वारा 'हम तो ऐसे ही है', 'नागमंडल', 'दूसरा आदमी दूसरी औरत', 'मैं कहानी हूँ', 'लखमीगाथा', 'शिव विवाह', 'परसाई की चौपाल', 'चंदू भाई नाटक करते हैं', कहन कहानी कहन आदि नाटकों की सफल प्रस्तुतियाँ की गई हैं। इनमे से “हम तो ऐसे ही हैं” के 100 से अधिक प्रदर्शन देशभर में हो चुके हैं। रास कला मंच हरियाणा की लोक नाट्य शैली पर भी काम करती आई है। संस्था ने कई चर्चित सांस्कृतिक संस्थानो जैसे:- साहित्य कला परिषद, एन॰ जेड॰ सी॰ सी॰, डब्ल्यू॰ जेड॰ सी॰ सी॰, एन॰ सी॰ जेड॰ सी॰ सी॰, भागीदारी, चुनाव आयोग भारत सरकार, हरियाणा कला परिषद, मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर, सूचना जनसम्पर्क, एवं सांस्कृतिक विभाग चंडीगढ़ आदि के साथ भी कार्य किया है। रास कला मंच हर वर्ष “चलो थियेटर” के नाम से राष्ट्रीय नाट्य समारोह भी आयोजित करता है। जिसमे देश की प्रसिद्ध नाट्य संस्थाओं, युवा व वरिष्ठ रंगकर्मियो द्वारा निर्देशित नाटको को आमंत्रित किया जाता है। ये संस्था हर वर्ष आठ 'रास रंग कला सम्मान' जो हरियाणा राज्य व देशभर से चयनित रंगकर्मियो को रंगकर्म में उनके योगदान के लिए उनका उत्साह वर्धन करती है।

निर्देशकीय

ये कहानी हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही। चुनौती इसकी संवेदनशीलता को कुरेदना था, और सवाल ये भी था कि दर्शक इस नाजुक विषय की गंभीरता को समझ पाएंगे ? इस नाटक की खास बात ये है कि ये आसानी से हर तबके से जुड़ता चला जाता है। ठोस संवाद, खूबसूरत विषय वस्तु देखते ही बनते है, ये दो पात्रिय नाटक होते हुए भी दो पात्रिय दिखाई नहीं देता धीरे से दोनों किरदारो का परिवार भी इसमें समा जाता है। और दर्शको को संदेश के साथ इक 'एहसास' दे जाता है।

लेखिका बारे में

विभा रानी जी का जन्म 24 सितंबर 1959 को मधुबनी, बिहार में हुआ। विभा हिन्दी और मैथिली की राष्ट्रीय स्तर की लेखिका, अनुवादक नाट्य लेखिका व नाट्य कलाकार हैं । इन्होंने एकल नाटक के क्षेत्र में निरंतर और गंभीर काम किया है । इनकी हिन्दी व मैथिली में 20 से अधिक किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। कथा सम्मान, महेश्वरी सिंह, 'महेश' सम्मान, प्रथम राजीव सरस्वत सम्मान, साहित्य सेवी सम्मान, सर्वो्तम महिला कलाकार, सर्वो्तम नाटक सम्मान, आचार्य विष्णुदास भावे सम्मान, विमन अचिवर्स सम्मान व स्वदेश दीपक सम्मान जैसे कई अवार्ड्स से सम्मानित हैं ।

मंच पर:	रवि मोहन	डॉ॰ मधुदीप सिंह	
मंच परे :			
लेखिका:	विभा रानी	संगीत रचना:	संतोष कुमार सेंडी
मंच परिकल्पना:	यशुदास भारद्वाज	वेशभूषा :	रुचि भारद्वाज
प्रकाश परिकल्पना:	पवन भारद्वाज	संगीत प्रबन्धक:	गौरव सक्सेना
मंच पार्श्व:	आशीष सैनी, सोमबीर प्रजापत	दृश्य एवं चलचित्र संचालन:	राहुल शर्मा
परिकल्पना व निर्देशन:	रवि मोहन 'रास'	प्रस्तुति:	रास कला मंच, सफीदों (हरियाणा)



प्रस्तुति



रास कला मंच

वार्ड नं. 9, नजदीक जेसीज भवन, सम्राट कॉलोनी,
सफीदों 126112 जीन्द (हरियाणा)

वेबसाईट:
www.raskalamanch.in

दूरभाष:
92155 12300

ईमेल:
rasravimohan@gmail.com
raskalamanch@gmail.co